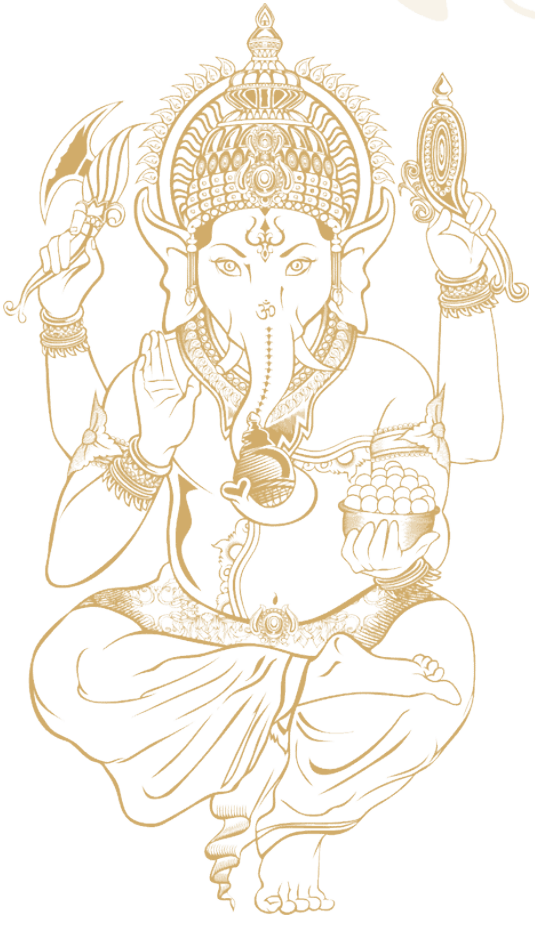

Dinesh

18 Dec 1991

12:05 PM

Lalsot

Model: web-freekundliweb

Order No: 121434805

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/12/1991**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**12:05:00 घंटे**
इष्ट	12:25:54 घटी
स्थान	**Lalsot**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:31:00 उत्तर
रेखांश	76:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:40:28 घंटे
वेलान्तर	00:03:41 घंटे
साम्पातिक काल	17:25:59 घंटे
सूर्योदय	07:06:38 घंटे
सूर्यास्त	17:35:11 घंटे
दिनमान	10:28:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	02:04:53 धनु
लग्न के अंश	24:28:15 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शिव
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूनेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	24:28:15	496:39:42	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
सूर्य			धनु	02:04:53	01:01:03	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मेष	19:08:29	14:00:40	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल		अ	वृश्चि	20:00:57	00:43:30	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	स्वराशि
बुध	व		वृश्चि	14:09:45	00:01:55	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
गुरु			सिंह	20:37:27	00:02:24	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			तुला	20:16:32	01:11:03	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	स्वराशि
शनि			मक	10:38:13	00:06:07	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	स्वराशि
राहु	व		धनु	16:08:56	00:01:55	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	नीच राशि
केतु	व		मिथु	16:08:56	00:01:55	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	नीच राशि
हर्ष			धनु	19:07:23	00:03:28	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
नेप			धनु	21:57:31	00:02:10	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो			तुला	27:53:43	00:02:05	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
दशम भाव			वृश्चि	28:26:32	--	ज्येष्ठा	--	18	मंगल	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:57

लग्न-चलित

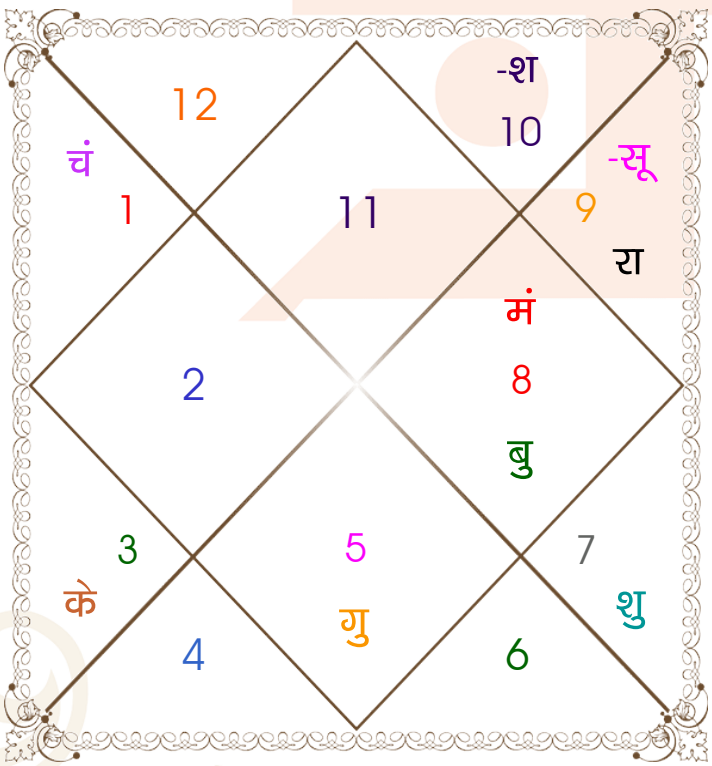

चन्द्र कुंडली

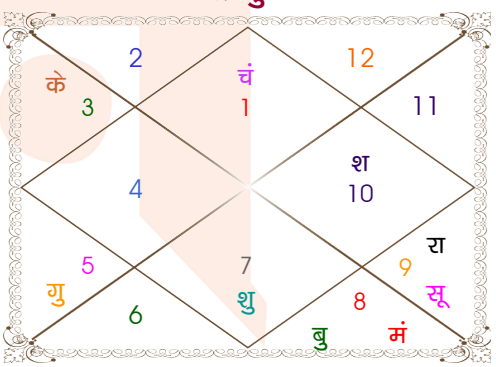

नवमांश कुंडली

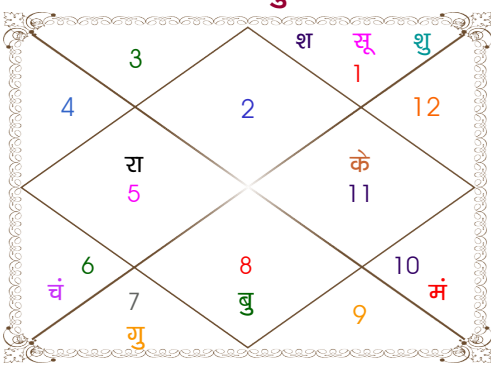

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 11 वर्ष 3 मास 13 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
18/12/1991		02/04/2003		01/04/2009		02/04/2019		02/04/2026	
02/04/2003		01/04/2009		02/04/2019		02/04/2026		01/04/2044	
	00/00/0000	सूर्य	21/07/2003	चंद्र	31/01/2010	मंगल	29/08/2019	राहु	13/12/2028
	00/00/0000	चंद्र	19/01/2004	मंगल	01/09/2010	राहु	16/09/2020	गुरु	08/05/2031
	00/00/0000	मंगल	26/05/2004	राहु	02/03/2012	गुरु	22/08/2021	शनि	14/03/2034
	18/12/1991	राहु	20/04/2005	गुरु	02/07/2013	शनि	01/10/2022	बुध	01/10/2036
राहु	01/06/1993	गुरु	06/02/2006	शनि	31/01/2015	बुध	29/09/2023	केतु	19/10/2037
गुरु	31/01/1996	शनि	19/01/2007	बुध	01/07/2016	केतु	25/02/2024	शुक्र	19/10/2040
शनि	02/04/1999	बुध	25/11/2007	केतु	31/01/2017	शुक्र	26/04/2025	सूर्य	13/09/2041
बुध	31/01/2002	केतु	01/04/2008	शुक्र	01/10/2018	सूर्य	01/09/2025	चंद्र	15/03/2043
केतु	02/04/2003	शुक्र	01/04/2009	सूर्य	02/04/2019	चंद्र	02/04/2026	मंगल	01/04/2044

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
01/04/2044		01/04/2060		02/04/2079		01/04/2096		03/04/2103	
01/04/2060		02/04/2079		01/04/2096		03/04/2103		00/00/0000	
गुरु	20/05/2046	शनि	05/04/2063	बुध	29/08/2081	केतु	28/08/2096	शुक्र	02/08/2106
शनि	01/12/2048	बुध	13/12/2065	केतु	26/08/2082	शुक्र	28/10/2097	सूर्य	03/08/2107
बुध	09/03/2051	केतु	22/01/2067	शुक्र	26/06/2085	सूर्य	05/03/2098	चंद्र	02/04/2109
केतु	12/02/2052	शुक्र	24/03/2070	सूर्य	02/05/2086	चंद्र	04/10/2098	मंगल	03/06/2110
शुक्र	13/10/2054	सूर्य	06/03/2071	चंद्र	02/10/2087	मंगल	02/03/2099	राहु	19/12/2111
सूर्य	02/08/2055	चंद्र	04/10/2072	मंगल	28/09/2088	राहु	21/03/2100		00/00/0000
चंद्र	01/12/2056	मंगल	13/11/2073	राहु	17/04/2091	गुरु	25/02/2101		00/00/0000
मंगल	07/11/2057	राहु	19/09/2076	गुरु	23/07/2093	शनि	06/04/2102		00/00/0000
राहु	01/04/2060	गुरु	02/04/2079	शनि	01/04/2096	बुध	03/04/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 11 वर्ष 2 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्न के समय मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ राशि का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपके जन्मकालिक ज्यातिषीय आकृति से यह निर्दिष्ट हो रहा है कि यदि आप अपने जीवन में विश्वसनीयता बनाए रखें तब आप उत्तम मानवीय स्वाभावानुकूल जीवन, आनंददायक, धन, प्रसन्नता से युक्त समृद्धि प्राप्त कर सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से सर्वोतम प्रकार के नेता जो मानवीय विश्वसनीयता से युक्त अन्य लोगों के मददगार, आदर्श एवं उदार चरित्र के प्राणी के रूप में उभर कर समाज का प्रतिनिधित्व करेंगे।

आप उदारता हेतु समर्थ होकर धन संपत्ति का संचय कर सकेंगे। आप मात्र मेधावी ही नहीं हैं। आप सर्वथा धन बनाने के करतब और चालाकी के जानकार हैं। आपमें ऐसी सक्षमता है कि स्पष्ट रूप से धन संपन्न होने के सभी तथ्यों का अच्छी प्रकार मूल्यांकन कर लेते हैं। आप अपने अंतर्ज्ञान पूर्ण शक्ति को लाभ जनित उपयोग कर आप लाभदायक परिणाम प्राप्त कर सकते हो।

आप उत्तम प्रकार के गुणों से युक्त है। आप चाहें तो अच्छे प्रकार के कार्य व्यवसाय तथा पर्यटन कार्य, औषधि, पब्लिक कंपनी के कार्य, औषधि की दुकान या निर्माण कार्य वकालत पेशा, ज्योतिषीय कार्य, धर्म दर्शन के कार्य अथवा भाषा के कार्यादि कर सकते हैं।

आप सामान्यतया अच्छे मिलनसार व्यक्ति हैं। कभी-कभी आप सहजता पूर्वक आवरण में छिप जाते हैं तथा एकांत प्रियता को प्रस्तुत करते हैं। आप किसी अवसर पर सुरक्षित हो जाते हैं। तब आपके मित्र एवं व्यावसायिक सहयोगी को आपके साथ किसी प्रकार के व्यवहार में दिक्कतें उत्पन्न हो जाती है। आपके लिए आवश्यक है कि आप इस विशेषता को त्याग दें। परंतु आप सदैव वाचालिक प्रवृति से दूसरों को प्रभावित करते हैं तथा अपनी व्यंगात्मक विनोद प्रियता से लोगों के मन पर विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने मित्रों की बड़ी मंडली के साथ अच्छा संबंध रखते हैं। मात्र कुछ समय आपके कुछ मित्रगण गोल माल करते हैं तो उन्हें विश्वास नहीं करने योग्य समझ कर उसे बाहर निकाल कर बहिष्कृत कर देते हैं।

आप किसी के भी पीछे की आधार स्तंभ का सर्वप्रथम अध्ययन कर गोल माल नहीं करने वाला समझ कर अपने से निकटता का संबंध स्थापित कर लेते हैं।

आप विपरीत योनि के प्रति संभोगात्मक प्रवति से सहजतापूर्वक प्रभावित होने वाले प्राणी हैं। आप निश्चित रूप से अपने जीवन में कोई जीवन संगी (प्रेमिका) अवश्य बनाएंगे। कुंभ राशीय प्रभाव से आपका वैचारिक मतैक्यता उनसे हो सकती है जिनका जन्म मिथुन अथवा तुला लग्न में जन्म हुआ हो।

एक बार आपका वैवाहिक जीवन सुव्यवस्थित एवं प्रतिबंधित हो जाना संभाव्य है। आप प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन बिता सकेंगे। आप अपनी पत्नी एवं अपने प्यारी संतान

से युक्त होकर आपकी इच्छा का विस्तार होगा तथा अपने कार्य प्रणाली एवं उद्देश्य के अनुसार आपका नाम और आपकी प्रसिद्धि मिलेगी। आप सर्वथा पूर्ण निर्मित एवं व्यवस्थित भवन प्राप्त कर सकेंगे।

आप एक सामाजिक प्राणी हैं तथा यदा कदा अपने मित्रों को आमंत्रित कर अपने घर पर बुलाना पसंद करते हैं।

आपका स्वास्थ्य स्पष्ट रूप से अच्छा रहेगा परंतु कतिपय संभावित रोगादि की संभावनाओं के विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाना उत्तम होगा। कालांतर में रोगादि से प्रभावित होने की अशुभ संकट की आशंका है। आपके समक्ष हृदय की धड़कन, आंत्र शोथ एवं हार्नियां रोगादि की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए अंकों में अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक अनुकूल प्रतीत होता है। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग उत्तम है। परंतु रंग नारंगी, हरा एवं नीला रंग आपके हित त्याज्य एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल एवं अत्यधिक लाभकारी दिन बुधवार शनिवार एवं शुक्रवार का दिन हैं। शेष रविवार, मंगलवार, एवं सोमवार का दिन आपके लिए बाधित एवं प्रतिकूल दिन हैं।